केन्द्रीय विद्यालय विजयपुर

कक्षा- 2

पाठ -1(ऊँट चला)

-प्रीति लता

ऊँट चला

ऊँट चला
भाई
ऊँट चला

ऊँट चला, भई ऊँट चला
हिलता डुलता ऊँट चला |

इतना ऊँचा ऊँट चला
ऊँट चला, भई ऊँट चला|

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ
पीठ उठाए ऊँट चला|

बालू है, तो होने दो
बोझ ऊँट को ढोने दो |

नहीं फँसेगा बालू में
बालू में भी ऊँट चला |

जब थककर बेठेगा ऊँट
किस करवट बेठेगा ऊँट ?

बता सकेगा कोन भला
ऊँट चला, भई ऊँट चला |

इस पाठ की वीडियो देखने के लिए निचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें |

https://youtu.be/DrayDye-2aU